1 (Sem–5/FYUGP) HIN 41 MJ

2025

HINDI

(Major)

Paper : HIN0500104

(आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) जायसी के गुरु कौन थे?

(ख) "पुत्र विसरु जनि माता" यहाँ किस पुत्र की बात कही गई है?

(ग) मीराँबाई का विवाह किसके साथ हुआ था?

(घ) 'कबीर परिचयी' किनकी रचना है?

(ङ) तुलसीदास के गुरु कौन हैं?

(च) 'नंद का नंदन' कौन है?

(छ) घनानंद किस काव्यधारा के कवि हैं?

(ज) बिहारी किसके दरबारी कवि थे?

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छः के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) बीजक के कितने खंड हैं? उनके नाम लिखिए।

(ख) घनानंद के पदों में प्रयुक्त 'सुजान' शब्द का तात्पर्य क्या है?

(ग) रसखान की दो काव्यिक विशेषताएँ क्या-क्या हैं?

(घ) भूषण द्वारा प्रयुक्त किन्हीं दो छंदों का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) "अज्यौं तर्‍यौना ही रह्यौ श्रुति सेवत इक रंग।" यहाँ 'तर्‍यौना' से क्या तात्पर्य है?

(च) "अब कै राखि लेहु भगवान।" सूरदास को क्यों ऐसा कहना पड़ा?

(छ) विद्यापति ने कितनी भाषाओं में काव्य रचना की थी? नाम लिखिए।

(ज) "मेरी भव-बाधा हरौ" किसने किससे अपनी बाधा हरने की प्रार्थना की है?

(झ) "देखि सीय सोभा सुखु पावा। हृदय सराहत बचनु न आवा।"

—का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ञ) "सरवर तीर पदमिनी आई।
खोंपा छोरि केस मुकलाई॥"

—का आशय स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : $5 \times 4 = 20$

(क) 'मानसरोदक खंड' के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ख) कवि रसखान का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ग) 'बाल-वर्णन' में वर्णित सूरदास के कृष्ण की शोभा का परिचय दीजिए।

(घ) गंगा के प्रति विद्यापति की धारणा कैसी थी?

(ङ) 'पुष्पवाटिका-प्रसंग' के आधार पर सीता के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

(च) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की शृंगार-भावना संबंधी विशेषताएँ लिखिए।

(छ) कबीर ने माया को 'महाठगिनि' क्यों कहा है?

(ज) कवि भूषण का साहित्यिक परिचय दीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के सम्यक् उत्तर दीजिए : $10 \times 2 = 20$

(क) "घनानंद प्रेम के उन्मुक्त गायक थे।" पठित पदों के आधार पर इस उक्ति की पुष्टि कीजिए।

(ख) विद्यापति की शृंगार-भावना पर प्रकाश डालिए।

(ग) कबीर की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(घ) 'विनय' के पदों के आधार पर सूरदास के आराध्य देवता का वर्णन कीजिए।

(ङ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"लिखन बैठि जाकी सबी, गहि गहि गरब गरूर।
भए न केते जगत के, चतुर चितेरे कूर॥
बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सौंह करैं भौंहँनु हँसे, दैन कहैं नटि जाइ॥"

★★★